हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, शुक्रवार 10 जनवरी 2025

login : www.haribhoomi.com

3 बीट के 4 कक्ष में 80 हजार वृक्षारोपण-8 हजार भी जीवित नहीं, जलाऊ के नाम पर कटवाये जा रहे जंगल

भ्रष्टाचार का गढ़ बना जिले का वन विभाग

वन विभाग जो गोपनीयता के नाम पर अपनी करतूतों को सार्वजनिक नहीं होने देता। जंगल के अंदर क्या गतिविधियाँ हो रही हैं किन योजनाओं के तहत निर्माण कार्य किये जा रहे हैं कहां और कितना पौधारोपण होना था कितना हुआ कहां पर कितने पेड़ काटे जाने थे किस अनुपात पर काटे जाने थे और कितने काटे गये यह सब कुछ किसी भी स्तर पर सार्वजनिक नहीं होता यही कारण है कि इस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एक ओर तो वृक्षारोपण के नाम पर पर्यावरण को धता बताते हुये करोड़ों कमा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर जंगलों की कटाई करवाकर मालामाल हो रहे हैं। निर्माण कार्यो को लेकर जो भ्रष्टाचार हो रहा है वह अलग है। तभी तो एक साधारण सा बीट गार्ड भी इस विभाग का इतना रसूख रखता है कि समाज में उसकी अलग अहमियत नजर आती है ऐसा वर्षो से जारी है अब रोके तो कौन ?

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/मवई

वनांचल क्षेत्र मवई यूं तो एक समय घने वनों से घिरे प्रकृति की अनुपम सौगात दर्शाती थी किंतु अब धीरे धीरे लगातार क्षेत्र से वन ही गायब होते चले जा रहे है कही अवैध कटाई ने वनांचल क्षेत्र को मैदानी क्षेत्र में बदल दी तो कही वन विभाग द्वारा अपना टारगेट पूरा करने के धुन में बिना अनुपात वनों की अंधाधुंध कटाई करवा रहे दूसरी तरफ वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण के नाम शासन और आम जन के आंखों में सिर्फ धूल झोंकी जा रही एक साल में मुख्यालय मवई के आसपास अलग अलग क्षेत्र में विभाग द्वारा लाखों की संख्या में वृक्षारोपण कागज में ही कर दिए गए धरातल में वस्तु स्थिति कुछ और ही है। वन परिक्षेत्र पूर्व (सामान्य) मवई में पदस्थ डिप्टी रेंजर इन दिनों मनमानी करने आतुर है एक ओर शासन वृक्षारोपण में पानी की तरह पैसा बहा रहे दूसरी तरफ परिणाम शून्य है वन परिक्षेत्र पूर्व (सामान्य) मवई द्वारा विगत वर्ष 2023-24 के दौरान अलग अलग क्षेत्र में लगभग लाखों वृक्ष कागज में ही लगा दिए मवई परिक्षेत्र द्वारा इन कागज में लगाए पौधों का जिला प्रशासन सहित प्रदेश सरकार तक लाखों वृक्ष लगाने पर प्रशंसा बटोरी आमजनों को भी भरोसा हुआ की शासन के पानी के तरह खर्च हो रहे पेसो से पौधा रोपण से सम्पूर्ण क्षेत्र के लोगों को शुद्ध हवा एवं संतुलित पर्यावरण देखने मिलेगा।

कागजों में हो गया रोपण धरातल में सिर्फ घास

वन परिक्षेत्र पूर्व (सामान्य) मवई द्वारा मड़फा व्रत अंतर्गत मड़फा बीट के कक्ष क्रमांक 1164-65 का है।जहा वृक्षारोपण के नाम पर बीट गार्ड, डिप्टी रेंज द्वारा लाखों का घोटाला कर दिया गया किसी को कानों कान भनक तक न पड़ी जानकारी अनुसार एन.पी.व्ही. केम्पा मद के तहत वर्ष 2023-24 मैं मडफ़ा बीट के कक्ष क्रमांक 1164-65 में 40 हेक्टेयर भूभाग में 40 हजार मिश्रित पौधों का रोपण कर खाली मैदान को वन में तब्दील करना था 40 हेक्टेयर में 40 हजार पौधों का रोपण अर्थात एक हेक्टेयर में एक हजार पौधों का रोपण होना था लेकिन उक्त जगह मैं अभी सिर्फ घास और पौधे रोपण के लिए खोदे गढ्ढे के अलावा कुछ भी नही दिख रहा है। उक्त स्थान मैं गिने चुने पौधे ही ढूंढने मैं नजर आ रहे है।आखिर 40 हजार पौधे लगाने के नाम शासन और आम जन के आंखों में धूल इतनी सहजता से किसके संरक्षण में झोक दिए गए।जिसकी जांच जिले के आलाधिकारियों को करनी चाहिए।

वृक्षारोपण के नाम पर हो गया करोड़ों का घोटाला

वन परिक्षेत्र पूर्व (सामान्य) मवई के द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में 2 अलग अलग वृत के 3 बीट के 4 कक्ष मैं लगभग 1 लाख पौधे रोपित किए गए थे। जिसमे सारसडोली बीट के कक्ष क्रमांक 1179 मैं 18 हेक्टेयर मैं बिगड़े वनों के सुधार मद से लगभग 10 हजार पौधे, मडफा वृत के खड्डेदेवरी बीट के कक्ष क्रमांक 1259 मैं एन.पी.व्ही. कैंपा मद से 40 हेक्टेयर भूभाग मैं लगभग 30 हजार पौधे साथ ही मड़फा बीट के ही कक्ष क्रमांक 1164-65 मैं एन.पी.व्ही.कैंपा मद से 40 हेक्टेयर में लगभग 40 हजार मिश्रित पौधे, कुछ हजार पौधे अलग अलग जगहों पर रोपित किया जाना स्वीकृत था किंतु आज ये समस्त स्थान मिलाकर लगभग 250 एकड़ भूमि पर 1 लाख के आसपास पौधों का रोपड़ हुआ इन समस्त स्थानों को मिलकर भी वर्तमान में 20 हजार पौधे विभाग नहीं दिखा सकता उक्त वृक्षारोपण किए प्रमुख तीनों कक्ष में वर्तमान में सिर्फ घास, वृक्षारोपण के लिए किए गड्ढे और गिने चुने पौधे ही नजर आ रहे है और नजर आ रहा है तो इन क्षेत्रों में फेंसिंग और पौधा रोपण के नाम शासन को लगाए करोड़ों का चुना।

नही होती कोई भी कार्यवाही

वन विभाग मवई के द्वारा किए जा रहे वृक्षारोपण कार्य में अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों में रोष है जिसे लगातार समाचार पत्रों ने भी प्रमुखता से खबर प्रकाशित की किंतु जिला मुख्यालय में जमे आला अधिकारियों के कानों में जू तक नहीं रेंगी आलाधिकारी मूकदर्शक बने बैठे है है या आपसी सहमति से शासन आईना दिखा रहे ना तो जांच की जा रही है।और ना ही कोई कार्यवाही जो बहुत दुर्भाग पूर्ण है।

इनका कहना है:-

वृक्षारोपण के नाम पर वन विभाग द्वारा शासन के लाखों रुपए का बंदर बाट कर रहे मडफा बिट में हुए 40 हजार वृक्षारोपण में आधे पौधे नहीं दिख रहे वन विभाग द्वारा क्षेत्र में मजदूरों के रोजगार भी छीन लिए सारे काम तालाब निर्माण समेत समस्त निर्माण कार्य में मजदूरों की जगह जे सी बी मशीनों कार्य से करवाया जा रहा।

-कवल धुर्वे,
पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत मडफा

वन विभाग द्वारा कराए गए कार्य की जानकारी नहीं समाचार पत्रों के माध्यम से वृक्षारोपण कार्य की जानकारी लगी एक - दो दिन में अन्य जनपद सदस्य साथियों के साथ वृक्षारोपण कार्य का निरीक्षण करता हूं।

-मनसुख पट्टा,
सभापति वन समिति (जनपद सदस्य जनपद पंचायत मवई)

प्रशासन का विशेष संरक्षण प्राप्त है वन परिक्षेत्र पूर्व (सामान्य) मवई को किसी भी शिकायत, पत्राचार पर न कभी कोई जांच हो रही न ही किसी प्रकार की कोई कार्यवाही इसक परिणाम है वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण समेत समस्त कार्यों में भारी अनियमितताएं बरती जा रही है।

-संजू बोरिया,
जनपद सदस्य एवं सभापति संकर्म एवं निर्माण

निवास में बेरहमी से काटे जा रहे हरे-भरे वृक्ष

निवास मुख्यालय में इन दिनों हरे-भरे वृक्षों की बेहरमी से कटाई की जा रही है। मामला मंडला जिले के निवास पश्चिम सामान्य वन मंडल का है जहां जगलों की अंधाधुधं कटाई की जा रही हैं। सूत्रों से मिली प्राप्त जानकारी के अनुसार रात्रिकालीन पाठा देवगांव रोड, थानम गांव रोड से लगे जंगल जिसमे मुनारे पर एक तरफ लिखा हुआ है पिपरिया व मलहेरी, कक्ष क्रमांक 0.835, कुसमी बीट कक्ष क्रमांक-0.842 जहां जंगल के पीछे तरफ वृक्षों की वेधडक़ कटाई चल रही है। इस तस्वीर को देख जंगलों की सुरक्षा में बडी लापरवाही को दर्शाती हैं। कटते हुऐ हरे भरे पेड़ दरअसल पूरा मामला निवास पश्चिम सामान वन मंडल का है। जहां ग्रामीण अंचलों से लगा हुआ तमाम जंगल का क्षेत्र है। लेकिन जंगलों में लगे हरे भरे वृक्ष अब अनदेखी का शिकार हो रहे है। या फिर यूं समझे की इनकी सुरक्षा दे रहे वनकर्मी अपनी जिम्मेदारी में लापरवाही बरत रहे हैं। जिसका खामयाजा अब हरे भरे वृक्ष कट कर पुरा कर रहे है। निवास से चंद दूरी पर बेस पाठा देवगांव रोड पर लगा जंगल है। जहां पर ज्यादातर बांस लगा हुआ है। लेकिन जंगल के अंदर हरे भरे वृक्ष भी लगे हुए हैं। तस्वरी में जंगल के बीच देखा गया तो पता चला कि लापरवाही की तो हद हो गई। जंगल में जलाऊ लकड़ी के लिए हरे भरे वृक्ष बलि चढ़ रहे हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है। कि जब वन विभाग से चंद दूरी पर लगे जंगल की देखभाल नहीं हो रही तो फिर किलोमीटर की दूरी पर लगे जंगल जो ग्रामीण अंचल से लगे हुए हैं। उनकी सुरक्षा कैसे की जा सकती है। इसके लिए कुछ नजदीकी ग्राम से लगे जंगलों का ग्राउंड फीड बैक लिया गया, उसके बाद जो तस्वीरें निकल कर सामने आई वह यह थी कि चारों तरफ जंगलों की कटाई में कोई कमी नहीं मिली जंगल में कटते हरे भरे वृक्ष और गहरी नीद में सोता वन विभाग का अमला दिखाई दे रहा है। पूरे जंगल में तो छोटे बड़े सभी तरह के वृक्ष है। जो जलाऊ लकड़ी के नाम पर बलि चढ़ रहे हैं। लेकिन यह जिम्मेदारों के लिए अपने आप को बचाने प्रयोग किया जाने वाला एक सीधा सा जवाब है। कि छोटी डाल या झाडिय़ां काटी गई, लेकिन बात यह की छोटे वृक्षों में कुछ बेहद कीमती है। देखा जाए तो हर एक वृक्ष कीमती है। क्योंकि जंगल सभी से बनते हैं। न की कीमतें पौंधो से छोटे पौधे ही बड़े वृक्षों का रूप लेते है। लेकिन यहां जलाऊ के नाम पर जंगलों में कटते छोटे बड़े सभी पेड़ बलि चढ़ रहे हैं। बता दें कि आसपास के जंगल माफियाओं द्वारा बेसकीमती पेड़ काटे जा रहे है। लेकिन विभाग के उच्च अधिकारियों को जरा भी इस बात की भनक नहीं है। जंगल में तैनात अमला भी सुरक्षित रखने में नाकामयाब हैं। तभी तो धड़ल्ले से बेखौफ होकर जंगल का सफाया कर रहे है। जंगल और वृक्षों के बचाव के लिए जहां शासन-प्रशासन तरह-तरह के उपाय कर लाखों रूपये खर्च कर रही है। वहीं कार्यरत वन अमला अपनी उदासीनता के चलते नजदीकी इलाकों के जंगलों का सफाया नहीं रोक पा रहे है। जंगल के आसपास ग्रामीण इलाकों में रहने वाले परिवार का जीवन जंगलों पर आधारित है। परिवार को चलाने के लिये अजीविका का साधन इससे बेहतर नहीं समझ में आता। शासन ने भले ही सौ दिनी रोजगार देने के लिये रोजगार गांरटी योजना चलाई है। लेकिन इस योजना से ग्रामीण इलाकों में काम करने वाले मजदूरों का मोह भंग हो चुका है। इस योजना में उच्च अधिकारियों से लेकर सरपंच सचिव ही मालामाल हो पाये है। मजदूरों का हमेशा शोषण हुआ। इसलिए जंगलों से बेसकीमती लकड़ी काटकर मंहगे दामों में बेच कर अपनी जीविका का साधन सुलभ करने में जुट गये। जंगलों की अंधाधुधं कटाई का एक कारण और सामने आया है अभी वर्तमान में वन अमला अपनी कुंभकरणी नींद में हैं। क्षेत्र में तैनात अमला समय पर गस्ती नहीं कर रहे है। जिसके चलते अत्याधिक मात्रा में बड़े वृक्षों के साथ और भी बेसकीमती लकड़ीयों की कटाई बेखौफ होकर जारी है।

इनका कहना :-

मामले की मुझे जानकारी नहीं है, यह किस बीट क्रमांक का मामला है। मैं दिखवाता हु। देख लो अपने हिसाब से न लगाओ खबर....रहने दो।

-प्रवेश वराडे,
रेंज अधिकारी निवास पश्चिम सामान्य वन मंडल

सिद्धार्थ एग्रो एंड फार्मिंग में दिनदहाड़े चोरी

नारायणगंज। नारायणगंज बस स्टैंड से जबलपुर की ओर रास्ते में में रोड के पास सिद्धार्थ तिवारी की फार्मेसी दुकान से करीबन 3:50 में दुकान में दो लोग आकर दवाई के रेट पूछे जिस पर दुकानदार द्वारा दवाई लेने के लिए अंदर गए इस समय चोरों ने काउंटर से करीबन 10000 रूपये नगद निकाल लिए दुकानदार द्वारा देखा गया छुड़ाने की कोशिश की गई परंतु अकेले होने के कारण चोरों ने झीना झपट कर छुड़ा कर ले गए, चोरों की तस्वीर सीसी कैमरे में कैद है दो लोग थे जो की सामान लेने के बहाने आकर काउंटर से नगद राशि चुराकर ले गए जबकि यह रोड 24 घंटे लोगों का आना-जाना रहता है परंतु चोरों के इतने हसले बुलंदी हो गए कि दुकानदार के उपस्थित रहने पर भी काउंटर से नगद राशि चुरा कर ले गए जिसकी रिपोर्ट थाना टिकरिया में की गई चोरों की तलाश जारी है।

खनिज विभाग ने पकड़ा अवैध गिट्टी से भरा ट्रैक्टर

मण्डला। खनिज अधिकारी हितेश बिसेन से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की शाम पुलिस चौकी अंतर्गत अवैध गिट्टी से लोड ट्रैक्टर को पकड़ा गया था जहां पूछताछ पर ट्रैक्टर चालक के द्वारा किसी भी प्रकार से कागजात संबंधी दस्तावेज नहीं दिखाए गए थे जिसमें भंडारण नियम के तहत वाहन चालक राकेश कुड़ापे पिता छविलाल कुड़ापे निवासी मांद अतरिया वाहन क्रमांक-बिना नं स्वराज नीला रंग इंजन न DC, 3009/SBN25897 मय ट्रॉली बिना नं नीला रंग पर प्रकरण बनाकर गिट्टी से लोड ट्रैक्टर को पुलिस चौकी अंजनिया की अभिरक्षा में रखा गया है।

परीक्षाएं नजदीक, नपा करा रही खेल आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नैनपुर

नगरपालिका परिषद नैनपुर द्वारा शालेय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसका समय बच्चों की बोर्ड परीक्षाओं के ठीक पहले रखा गया है। अभिभावकों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या इस समय बच्चों के लिए परीक्षा की तैयारी करना संभव होगा, जब एक ओर खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन का दबाव होगा। यह प्रतियोगिता 11 जनवरी 2025 से 12 जनवरी 2025 तक जेआरसी मैदान में आयोजित की जाएगी, लेकिन इस समय तक बच्चों के प्री-बोर्ड और बोर्ड परीक्षा के लिए तैयारी करनी होगी।

नैनपुर विकास खंड में आयोजित होने वाली यह शालेय खेलकूद प्रतियोगिता बच्चों के शारीरिक विकास और खेल कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से है। इसमें विभिन्न स्कूलों के छात्र अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करेंगे और शारीरिक दक्षता के स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करेंगे। इस तरह के आयोजनों से बच्चों को खेलकूद में आगे बढ़ने का अच्छा मौका मिलता है, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या यह समय सही है, जब बच्चों के परीक्षा की तैयारी को लेकर अभिभावक चिंतित हैं।

अभिभावकों का कहना है कि स्कूलों में बच्चों के अध्ययन के साथ-साथ समय-समय पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होना चाहिए, लेकिन जब परीक्षा इतनी करीब हो, तो इस प्रकार के आयोजनों का आयोजन बच्चों की पढ़ाई के साथ मेल नहीं खाता। विशेषकर कक्षा 10वीं और 12वीं के बच्चों के लिए यह एक अहम समय होता है, क्योंकि उनकी बोर्ड परीक्षाएं फरवरी में शुरू होनी हैं। प्री-बोर्ड परीक्षा 16 जनवरी 2025 से शुरू हो रही है, और कक्षा 9वीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षाएं 3 फरवरी 2025 से शुरू होने वाली हैं। ऐसे में बच्चों को 7-8 दिन तक खेलकूद प्रतियोगिता में व्यस्त रखने से उनकी परीक्षा की तैयारी पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

इसके अलावा, यह भी चिंता का विषय है कि इस प्रतियोगिता के आयोजन के लिए अतिरिक्त विषय शिक्षकों को भी इस कार्य में शामिल किया गया है, जो कि बच्चों के पाठ्यक्रम पर ध्यान देने के बजाय खेलकूद गतिविधियों में व्यस्त होंगे। यह समस्या खासकर तब बढ़ जाती है जब शिक्षकों के लिए समय की कमी हो और परीक्षा के पूर्व बच्चों को पूरा ध्यान देने की आवश्यकता हो।

अभिभावकों का मानना है कि इस आयोजन को अक्टूबर-नवंबर में आयोजित किया जाना चाहिए था, जब बच्चों की परीक्षाएं दूर थीं और वे आराम से अपनी पढ़ाई और खेलकूद में समय बिता सकते थे। अब जब परीक्षाएं नजदीक हैं, तो यह आयोजन बच्चों के लिए परीक्षा की तैयारी में रुकावट डाल सकता है। अभिभावक यह भी कहते हैं कि अगर आयोजन के समय को लेकर उचित विचार किया जाता, तो बच्चों की पढ़ाई और खेल दोनों में संतुलन बना रहता।

इस आयोजन के पक्ष में यह तर्क दिया जा सकता है कि खेलकूद से बच्चों का मानसिक तनाव कम होता है और उनकी शारीरिक सेहत में सुधार होता है, जिससे वे अपनी पढ़ाई में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। हालांकि, यह समय बच्चों के लिए परीक्षा की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है और शायद इस आयोजन का समय पुनः निर्धारित किया जा सकता था।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने उत्कृष्ट विद्यालय मे वार्षिक प्रतिभा सम्मान के दौरान यह बात कही कि विद्यार्थियों के लिए वर्ष के प्रथम तीन महीने जनवरी, फरवरी और मार्च अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इन महीनों की पढ़ाई परीक्षाओं में विद्यार्थियों का भविष्य का निर्धारण करती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को कक्षा नवमी से कक्षा बारहवी तक की परीक्षाओं में प्राप्त अंक उनको विभिन्न क्षेत्रों में जाने का अवसर प्रदान करते हैं। इन कक्षाओं में प्राप्त अंक ही उनके भविष्य को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं। उन्होंने सलाह दी कि विद्यार्थी अपने क्षेत्रों का चयन इसी उम्र में जरूर कर लें और लक्ष्य तय कर आगे बढ़ें इससे पूर्ण सफलता जरूर मिलेगी।

विडम्बना | **खण्ड शिक्षा अधिकारी का मिल रहा संरक्षण।**

स्कूल से शिक्षक गुल फिर भी वेतन ले रहे फुल

*** ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों का भविष्य हो रहा प्रभावित।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/मवई

एक तरफ सरकार शिक्षा को बढ़ावा देने और शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए बहुत से योजनाएं ला रही है।लेकिन उन योजनाओं को धरातल से कोई सरोकार ही नही होता। जहां आए दिन शिक्षको के नए नए कारनामे उजागर हो रहे है। किराए के शिक्षक का मामला अभी थमा ही नही था।की ऐसा ही एक और मिलता जुलता मामला प्रकाश मैं आया है। मामला मण्डला जिले से 100 किलोमीटर दूर वनांचल मुख्यालय मवई से 20 किलोमीटर दूर अतरिया पंचायत के सरईटोला के नवीन प्राथमिक स्कूल का है। जहां कहने को तो 1अतिथि शिक्षक और 2 रेगुलर सहित 3 शिक्षक पदस्थ है लेकिन ग्रामीणों के कथन के अनुसार शिक्षक मोहन बघेल स्कूल से नदारद ही रहते है और एक अन्य शिक्षक कभी कभार ही अपनी सुविधा अनुसार स्कूल आते जाते है। वो भी कई दिनों से स्कूल नही आ रहे है। जिसकी शिकायत कई बार स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा विकाश खंड शिक्षा अधिकारी से की गई लेकिन खंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा कोई भी करवाही नही की गई। स्थानीय ग्रामीणों के विरोध के बाद स्कूल मैं ननिहालो के पढ़ाने के लिए अतिथि शिक्षक की वैकल्पिक व्यवस्था की गई।

स्कूल से शिक्षक गुल और वेतन फुल

शिक्षको का वेतन पत्रक संबंधित जनशिक्षक के द्वारा संकुल मैं जमा किया जाता है। संकुल से शिक्षको के उपस्थिति और अनुपस्थित के आधार पर संकुल से वेतन पत्रक और अनुपस्थित पत्रक बी.ई.ओ. कार्यालय जाता है। सूत्रों के अनुसार स्कूल से नदारद रहने वाले और संकुल से अनुपस्थित पत्रक देने के बाद भी ऐसे कई शिक्षको का वेतन खंड शिक्षा अधिकारी के संरक्षण मैं लगातार आहरण हो रहे है।जिसकी जांच जिले मैं बैठे उच्च अधिकारियों का करनी चाहिए।

प्रकाश में आ चुके है ऐसे कई मामले

शिक्षको के स्कूल से अनुपस्थित रहने के कई मामले सामने आ चुके है। इससे पहले विगत माह ग्राम सठिया के नवीन प्राथमिक स्कूल में 2 सरकारी शिक्षक पदस्थ रहने के बाद भी किराए के शिक्षक के द्वारा स्कूल संचालित किया जा रहा था। जहा शिक्षक रायसिंह के के लंबी बीमारी से ग्राषित होने के कारण कई महीनो से स्कूल आने मैं असमर्थ थे। सूत्रों के अनुसार लगातार अनुपस्थित पत्रक प्राप्त होने के बाद भी विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा करवाही ना कर लगातार अनुपस्थित रहने वाले शिक्षक रायसिंह का वेतन बनवाया गया। आसपास के ऐसे बहुत से सरकारी स्कूल है जहां पर शिक्षक लगातार अनुपस्थित रहने है।लेकिन फिर भी उनका पूरा वेतन हर माह आहरण कर लिया जाता है। जिसकी जांच कर उचित करवाही की जानी चाहिए।

इनका कहना है:-

नवीन प्राथमिक शाला सरईटोला के शिक्षक लगातार अनुपस्थित रहते है इस बात की जानकारी अनेकों बार मौखिक तौर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी मवई को दी गई किंतु आज तक बीईओ द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई।

-सरस्वती मरावी,
क्षेत्रीय जनपद सदस्य

संबंधित प्राथमिक शिक्षक की अनुपस्थित के संबंध पालकों द्वारा 181 में भी शिकायत की गई थी जिसपर हमने पंचनामा, प्रस्ताव तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेज दिया है।

-अशोक मरावी,
जन शिक्षक,जन शिक्षा केंद्र सोढा

शिक्षक मोहन बघेल लंबे समय से विद्यालय नहीं आ रहे है एक और अन्य शिक्षक भी कभी कभी विद्यालय आते है अभी शीतकालीन अवकाश के बाद से शिक्षक नहीं आए इस विषय में विकास खंड शिक्षा अधिकारी मवई को अनेकों बार अवगत कराया जा चुका है कार्यवाही करने की बात की जाती किंतु आज तक कोई कार्यवाही इन लापरवाह शिक्षकों के ऊपर नहीं की गई।

-महेश धुर्वे,
स्थानीय निवासी सरईटोला ग्राम पंचायत अतरिया

मानेगांव में जन कल्याण शिविर का आयोजन

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत मानेगांव में मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 185 आवेदन आए जिनमें प्रधानमंत्री आवास एवं वृद्धा पेंशन संबंधी आवेदन शिविर में आए जन कल्याण शिविर में मानेगांव बीजे गांव झाझ नगर, के लोगों ने शिविर में पहुंचे और अपनी समस्या से से उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों को अवगत कराया शिविर में, मंडल अध्यक्ष किशन तेकाम सरपंच सुनीता मसराम शिवकली बरकड़े महेश आर्मी प्रसादी बेग चरण सिंह मसराम, शिक्षा विभाग कृषि विभाग उद्यान की विभाग जनपद पंचायत नारायणगंज के पी सीओ, एवं आंगनवाड़ी के कार्यकर्ता ग्राम पंचायत मानेगांव के बलराम मसराम सचिन अभिषेक शर्मा उपस्थित सभी पंचगण, की उपस्थिति रही

खबर संक्षेप

मण्डी एवं नगर पालिका काम्प्लेक्स दुकानदारों पर लाखों रूपया बकाया, अनेक दुकानें चल रही किरायदार टू किरायदार

गाडरवारा। स्थानीय जवाहर कृषि उपज मंडी द्वारा अपनी राजस्व आय बढ़ाने शापिंग काम्प्लेक्स दुकानों का निर्माण कराया गया था,लेकिन जिसमें कृषि उपज मण्डी द्वारा 152 दुकानों का निर्माण कराया गया था तथा नगर पालिका द्वारा संजय गांधी मार्केट में 13 दुकाने, गांधी मार्केट में 11 दुकाने व इंदिरा शापिंग काम्प्लेक्स में 64 दुकाने तथा कामथ काम्प्लेक्स में 24 दुकाने, पं. दीनदयाल बस स्टैण्ड में 10 दुकाने, चीचली रोड पर स्थित काम्प्लेक्स में 10 दुकानों का निर्माण कराया गया था, जिसमें से इन शापिंग दुकानों में से 126 दुकाने नगर पालिका द्वारा किराये से दी गयी। मगर इस सब में मजेदार बात तो यह है कि कुछ लोगों द्वारा इन दुकानों को अपनी जुगाडू व्यवस्था के चलते किराय से लेकर अन्य दूसरे को किराय पर दे रखी है, जिनका किराया विगत लम्बे समय से न तो मंडी कार्यालय में जमा हो रहा है ओर न ही नपा में जिसके कारण इस समय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंडी प्रशासन को दुकानदारों से 30 लाख रूपया से ऊपर तथा नगर पालिका प्रशासन को कई लाख रूपया से ऊपर की राशि इन दुकानदारों से किराय के रूप में लेना बाकी निकल रहा है? बताया जाता है कि इन दुकानदारों में कुछ दुकानदारो की स्थिति तो कुछ इस प्रकार से बताई जाती है कि जिनका किराया लाख रूपया से ऊपर है, वही मंडी एवं नगर पालिका प्रशासन द्वारा बकाया किराया वाले दुकानदारों पर नियमानुसार नोटिस देकर दुकान खाली कराने का अधिकार होने के साथ साथ किसी शासकीय संपत्ति के संबंध में बताया जाता है कि जो व्यक्ति यदि किराय से लेता है तो उसका उपयोग वही करता है किरायदार को किराय से देने का अधिकार नही होता है मगर इसके बाद भी अनेक दुकान नियाम के खिलाफ किरायदार से किरायदार के रूप में चल रही है, लेकिन आज तक ऐसी कोई कार्यवाही मंडी एवं नगर पालिकस प्रशासन द्वारा की नही गयी, हालांकि मंडी एवं नगर पालिका वसूली अधिकारी का कहना है कि हम बकायादारों से राशि जमा करने की बात कहते रहते है, बहरहाल मंडी एवं नगर पालिका शापिंग काम्प्लेक्स से लाखों रूपयो की बकाया राशि बसूल न किया जाना नगर पालिका एवं मंडी प्रशासन की उदासीनता को उजागर करता है।

विद्युत शवदाह गृह निर्माण की मांग की ओर नहीं दिया जा रहा ध्यान.....?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर नगर का लगातार विकास होने के साथ इसकी आवादी में भी इजाफा होते हुये देखा जा रहा है। इस स्थिति में नगर का एक मात्र शमशान घाट की स्थिति बिगड़ने के चलते नगरवासियों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के शमशान घाट पर भयानक स्थिति उस समय निर्मित हो जाती है कि जब नगर के अंदर पांच लोगों से अधिक की मौत हो जाती है, क्योंकि शमशान घाट पर मात्र शवदाह करने के लिये 5 सेट बने हुये है। इस स्थिति में अनेकों पर नगरवासियों को खुले मैदान में शव दाह करते हुये देखा जाता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये बीते हुये वर्ष यानि की नम्बर माह 2019 में नगर के श्रीमशान भैरव बाबा मंदिर समिति द्वारा जिला कलेक्टर के नाम अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौपते हुये विद्युत शवदाह घर के निर्माण की मांग की गई है। उस समय सौपे गये ज्ञापन में उल्लेख किया गया था कि कहने के लिये तो नगर पालिका के पास के पास शमशान घाट के नाम पर 18 एकड़ भूमि पड़ी हुई है, मगर वह लगातार अतिक्रमण के भेंट चढ़ते हुये देखी जा रही है। इस स्थिति के चलते मौके पर मुश्किल से मात्र 5 एकड़ भूमि ही सुरक्षित देखने मिल रही है, जिसके चलते यहां की स्थिति में अनेकोबार जब नगर में लोगों की मौते होती है तो शमशान घाट पर बने हुये 5 सेट भरे हुये रहते है तो दूसरी ओर अनेको बार शवों को जलाने के लिये लकड़ी का आभाव भी देखने मिलता है।

अतिक्रमणकारियों ने नगर में ओवर ब्रिज का निर्माण पूर्ण होने के पहले ही अपने टपरे स्थापित करने की कर दी शुरूआत

प्रशासन की इस तरह से अनदेखी अतिक्रमणकारियों के हौसलों को बनाती है बुलंद, समय रहते हुये ध्यान नही दिया गया तो पक्के निर्माण में तब्दील होने से नहीं रोक पायेगा कोई..?

गाडरवारा

नगर में शासकीय भूमि से लेकर मुख्य सड़को के किनारे फैले हुये अतिक्रमण की सच्चाई किसी से छिपी नही है और इसी का परिणाम है कि नगर की यातायात व्यवस्था पटरी से उतरी हुई देखी जा रही है तो दूसरी ओर आये दिन घटित होने वाली दुर्घटनाओं में अतिक्रमण का कारण प्रमुख रूप से सामने आने से नही चूकता है? वही दूसरी ओर समय समय पर प्रशासन की टीम द्वारा नगर में अतिक्रमण हटाने की मुहिम तो छेड़ी जाती है मगर वह मात्र औपचारिकता पूर्ण साबित होने से नही चूक पाती है। मगर इस तरह होने वाली अतिक्रमण की सच्चाई को प्रशासन द्वारा जिस तरह से नजर अंदाज किया जाता है उसका ही परिणाम है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करते हुये कब्जा जमाने वालों के हौसले बुलंद होने से नही चूक पाते है। नगर में सरकारी भूमि पर नियम विरूद्व फैले हुये अतिक्रमण की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो नगर के मुख्य मार्ग स्टेशन से पलोटन गंज की ओर आता है बीटीआई स्कूल के समीप कुछ साल पहले तत्कालीन एसडीएम राजेश शाह द्वारा विद्युत कार्यालय के सामने अतिक्रमण हटवाया गया था। मगर यहां पर खाली हुई सरकारी भूमि को प्रशासन द्वारा सुरक्षित नही किये जाने का परिणाम है कि एक एक करके यहां पर अतिक्रमण के रूप में ठेले जमते गये और वह पक्के दिखाई देने लगे है। इसी प्रकार सरकारी अस्पताल के पास नजर डाली जावे तो यहां पर भी लगभग दो साल पहले बडे स्तर पर अतिक्रमण हटाते हुये खाली हुई जमीन को तारबाडी से सुरक्षित किया गया था। मगर अतिक्रमणकारियों द्वारा उस तार बाड़ी को को काटते हुये अपने टपरे स्थापित करते हुये पूर्व की तरह अपने कब्जें में करते हुये सूरत बदलने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। इसी प्रकार का हाल पानी टंकी वाले क्षेत्र में देखने मिल रहा है। बताया जाता है कि यहां पर कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा यहां पर सरकारी भूमि सड़क किनारे अपने ठेले स्थापित करते हुये उन्हे किराये से चलाकर हर माह हजारों रूपया की बसूली करते हुये देखे जा रहे है। इस तरह नगर सड़क किनारे फैला हुआ अतिक्रमण जहां यातायात में बाधक बनने के साथ दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनते हुये देखा जा रहा है। मगर इस सब में हैरत तो तब होने से नही चूक पाती है जब अतिक्रमण की शुरूआत होती है और इन मार्गो से तहसील स्तर पर बैठे हुये सक्षम अधिकारी शुरूआती दौर को ही देखकर अनदेखा करते हुये चुपचाप निकल जाते है जो इन अतिक्रमण कारियों के हौसलों को बुलंद करने से नही चूकता है। वही अषोषित रूप से किया जावे तो जिम्मेदार अधिकारियों की खमोशी इन लोगों को सह देने जैसी प्रतीत होने से नही चूकती है। जबकि सच्चाई देखी जावे तो नगर के स्टेशन मार्ग यानि की बीटीआई स्कूल व बिजली आफिस के ठीक सामने मुख्य मार्ग के किनारे फैले हुये अतिक्रमण क्षेत्र में एसडीएम से लेकर तहसीलदार व अन्य अधिकारियों के बंगले होने के चलते वह निवास करते है जो अतिक्रमण की सच्चाई को सुबह शाम अपने आंखों से देखने के बाद भी अनदेखा करते हुये जान पड़ने से नही चूक रहे है। इसी तरह से शासकीय चिकित्सालय के सामने मॉडल रोड के किनारे फैला हुआ अतिक्रमण को भी इस मार्ग से दिन में अनेको बार जहां नगर के सक्षम अधिकारी देखते हुये निकलते है तो दूसरी ओर जिले के कलेक्टर महोदय का भी जब नगर आगमन होता है तो इसी मार्ग से अतिक्रमण की सच्चाई का दर्शन करते हुये निकलते हुये देखा जाात है। यही हाल नगर की पानी टंकी के पास से देखने मिल रहा है जों मुख्य नगर पालिका कार्यालय से चंद कदम दूरी पर होने के बाद भी शासकीय भूमि पर हुये अतिक्रमण के माध्यम से प्रभावशालियों द्वारा इस अतिक्रमण को अपने आय का साधन बनाते हुये गरीबों से प्रति माह हजारों रूपया की बसूली करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इस सच्चाई को लेकर अधिकारियों की भूमिका जहां सबालों के घेरे में आने से नही चूक पा रही है तो कुछ इसी तरह की शुरूआत नगर के चीचली की ओर जाने वाले मार्ग यानि की निर्माणाधीन ब्रज के पास दिखाई देना शुरू हो चुकी है। बताया जाता है कि इस ओबर ब्रज का अभी तक निर्माण पूर्ण भी नही हो पाया है और जिस तरह ब्रज के नीचे अतिक्रमणकारियों द्वारा अपने ठेले जमाने की शुरूआत की गई है वह चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रही है? बताया जाता है कि हर दिन की सुबह यहां पर एक नया ठेला स्थापित नजर आने से नही चूक रहो है। रात के अधियारे में यहां पर अतिक्रमण होने की सच्चाई को आये दिन चीचली क्षेत्र में भ्रमण करने के लिये जाने वाले तहसील स्तर से लेकर जिले के अधिकारियों द्वारा देखे जाने के बाद भी उनकी चुप्पी अघोषित रूप से इन अतिक्रमण कारियों को सह प्रदान करते हुये प्रतीत होने से नही चूक पा रही है..? शुरूआती तोर में तो यहां पर मात्र ठेले व टपरे स्थापित किये जा रहे है। मगर इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि यदि प्रशासन इसी तरह चुप्पी साधे रहा तो यह अतिक्रमण पक्का रूप धारण करने से नही चूक पायेगा तो उस दौरान अतिक्रमण हटाना असंभव होने से नही चूक पायेगा? क्योंकि पक्के अतिक्रमण को हटाने की प्रक्रिया इतनी जटिल हो जाती है कि पहले नोटिस जारी करते हुये समय देना और बाद में अतिक्रमण कारी अपने रोजी रोटी का हवाला देते हुये न्यायालय की शरण में पहुंच जाना या फिर किसी प्रभावशाली नेता व मंत्री का अतिक्रमणकारी के सिर पर हाथ पड़ गया तो अधिकारियों को इस तरह का अतिक्रमण हटाने के दौरान दिन में ही तारे नजर आने से नही चूक पाते है? क्योंकि शासकीय भूमियों पर अतिक्रमण फैलने की सच्च्चाई को जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा शुरूआती तौर में ही नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि वह अतिक्रमण धीरे धीरे शासकीय भूमि को अपनी गिरप्त में लेने से नही चूक पाता है। वैसे भी देखा जावे तो नगर का निर्माणधीन ओबर ब्रज के पास स्थापित हो रहा अतिक्रमण आने वाले दिनों में प्रशासन के साथ साथ पुलिस प्रशासन के लिये भी घातक बनने से नही चूक पायेगा? क्योंकि वर्तमान समय में ही यहां की सच्चाई पर गौर किया जावे तो पुलिस द्वारा जिस तरह मादक पदार्थो के कारोबारियों से लेकर आर्म्स एक्ट के पुलिस थाने में बीते हुये महिनों में जो मामले दर्ज किये गये है। उन अनेक मामलों में अधिकांश का घटना स्थल यही निर्माणाधीन ओबर ब्रज चीचली तिरहा के रूप में सामने आया हुआ है। इस तरह देखा जावे तो यहां स्थल पहले से ही अपराधिक गतिविधियों को संचालित करने वालों की शरण स्थली बना हुआ है। इसके बाद यहां पर लगातार अतिक्रमण करते हुये स्थापित किये जा रहे टपरे भविष्य में अपराध की मंडी बनने से नही चूक पायेगा..? इस समय देखा जावे तो यहां पर देर रात तक संचालित होने वाली दुकानों पर जिस तरह शराब खोरी के साथ अन्य प्रकार के मादक पदार्थो का दौर चलते हुये देखा जाता है और यहां पर एकत्र होने वाली टोली देर रात शहर की ओर वापिस होती है तो नगर की सड़को पर वाइकर्सो का आंतक छाने से नही चूकता है। वही दूसरी ओर देर रात यदि कोई रेल यात्री इस मार्ग से पहुंचने वाले गांवों को अपने परिवार को लेकर जाता है तो यहां पर होने वाली हुड दंग लीला के दौरान की जाने वाली छीटाकशी का शिकार होने से नही बच पाता है। हालत इस तरह से देखे जाते है कि रात के समय आने वाली ट्रेनों के यात्री यहां से अपने परिवार को घर ले जाने में दहशत खाने से नही चूक पा रहे है? इस सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किया जाता है। इस तरह निर्माणाधीन ओबर ब्रज के पास हो रही अतिक्रमण की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो यहां पर अतिक्रमणकारियों द्वारा खुलेआम रेलवे की संपत्ति को भी उपयोग किया जा रहा है। मगर रेल विभाग द्वारा भी इस सच्चाई को नजर अंदाज करना चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है तो दूसरी ओर निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के पास दिनों दिन अतिक्रमण बेशर्म की झाड़ी की तरह पनपते हुये चला जा रहा है। रेल प्रशासन के साथ साथ राजस्व व पुलिस प्रशासन की चुप्पी को लेकर लोगों का कहना है कि शायद सक्षम अधिकारियों द्वारा यहां पर किसी दिन कोई बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा है जब तक इस क्षेत्र में कोई बडी घटना घटित नही होती है तब तक जिम्मेदार अधिकारियों की निंद्रा भंग होने की कल्पना करना बेमानी ही साबित होगा...?

सालीचौका क्षेत्र में धड़ल्ले से चल रहे शराब के अवैध कारोबार को नजरअंदाज करते हुये कार्यवाही मात्र गुटखा तम्बाखू पर ...

सालीचौका

आपराधिक गतिविधियों पर पूर्णतः अंकुश लगाने हेतु बनायी गयी कार्ययोजना के तहत पुलिस टीमों द्वारा क्षेत्र में लगातार किया जा रहा भ्रमण एवं जनचौपाल लगाकर सुनी जा रही क्षेत्रीय जनों की समस्याएं। बताया जाता है कि जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आपराधिक गतिविधियों पर पूर्णतः अंकुश लगाने हेतु पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के तहत कार्ययोजना तैयार की गयी है जिसके तहत क्षेत्रों के ऐसे ग्राम एवं स्थान जिनमें आपराधिक गतिविधियों के संचालन की शिकायतें प्राप्त होती है उनको चिन्हित कर थाना स्तर पर गठित टीमों द्वारा भ्रमण कर उक्त स्थानों पर जन चौपाल का आयोजन कर क्षेत्रीयजनों से रूबरू पुलिस टीमों द्वारा अपील की गयी कि यदि क्षेत्र में कोई अवैध शराब एवं अन्य असमाजिक गतिविधियों का संचालन करता है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को देवे ताकि उनके विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके साथ ही पुलिस की इस मुहिम में सहयोगी बनकर अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने में पुलिस के सहयोगी बने। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये दिवस सालीचौका पुलिस द्वारा भी अपने क्षेत्र के गांवों में जनचौपाल के दौरान ग्राम वासियों को जानकारी देते हुए बताया गया कि वर्तमान परिवेश में साईबर फ्राड एवं अपराधों के तरह-तरह के माध्यमों से आमजनों के साथ फ्राड किया जा रहा है। पुलिस द्वारा उक्त अपराधों के संबंध में ग्राम वासियों को जानकारी दी गयी गयी एवं उनसे बचने के तरीके बताये गये। एवं साईबर हल्पलाईन नम्बरों से अवगत कराते हुये बताया गया कि साईबर अपराध घटित होने पर तत्काल साइबर क्राइम हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बगर 1930 पर करें अथवा साइबर हेल्पनलाइन नम्बर नरसिंहपुर 7587610186 पर फोन अथवा www.cybercrime.gov.in मेल के माध्यम से या नजदीकी पुलिस को सूचित करें ताकि त्वरित कार्यवाही की जा सके। वही दूसरी ओर सालीचौका पुलिस द्वारा बीते हुये दिनों कुछ पान दुकानों पर छापे मारते हुये जिस तरह तम्बाखू युक्त गुटखों को जप्त करते हुये कार्यवाही की गई उसकी लोगों द्वारा सराहना की जा रही है। मगर दूसरी ओर सालीचौका क्षेत्र की सच्चाई पर लोगों द्वारा सबाल खड़े करते हुये यह कहा जा रहा है कि जिस तरह सालीचौका क्षेत्र में गांव गांव किराना दुकानों की तरह शराब की अवैध विक्री हो रही है उसे नजर अंदाज किया जाना क्या उचित है..? क्योंकि क्षेत्र में वर्षा की बहार आते है गांव गांव विक्रय होने वाली अवैध शराब की सच्चाई उजागर होने से नही चूक पाती है। हालत यह बने हुये है कि यहां पर जब वर्षा का दौर शुरू होता है कि नालियों में पड़ी हुई शराब का खाली बोटले शराब विक्रय होने की सच्चाई को अपने आप ही उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है..? पुलिस द्वारा तम्बाखू युक्त गुटखा पाऊचों के खिलाफ चलाई जा मुहिम की सराहना करते हुये करते हुये अपेक्षा जताई गई है कि क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे मादक पदार्थो के अवैध कारोबार के साथ साथ गांव गांव विक्रय हो रही शराब पर भी अंकुश लगाने की ओर पहल की जावे।

दक्ष स्कूल के विद्यार्थियों ने किया मथुरा वृन्दावन का शैक्षणिक भ्रमण

गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि शिक्षण संस्थाओं द्वारा साल में एक बार अपने छात्र छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण कराया जाता है। इस कार्यक्रम के चलते जहां बच्चों में अनेक प्रकार की जानकारियों का इजाफा होता है तो दूसरी ओर शहर के बाहर आने के अवसर भी मिलने से उनका मन प्रफुल्लित होने से नही चूक पता है। मगर कुछ संस्थाओं द्वारा मात्र इस शैक्षणिक भ्रमण के नाम पर बच्चों से फीस बसूलते हुये औपचारिकता निभा ली जाती है। मगर कुछ संस्थाओं द्वारा इस तरह के क्षेत्रों का भ्रमण कराया जाता है जो धर्म की जानकारियों से बच्चें अवगत होते है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये नगर की निजी शिक्षण संस्था दक्ष स्कूल द्वारा जिस तरह अपनी संस्था के बच्चों को मथुरा व वृंदावन को भ्रमण कराया गया है उसकी लोगों द्वारा सराहना करने के साथ साथ अभिभावकों में भी खुशी देखने मिल रही है। बताया जाता है कि बीते हुये दिनों दक्ष इंटरनेशनल स्कूल, सीबीएसई में अध्ययनरत कक्षा 9 व 10 और 11 वी के 100 से अधिक छात्र/छात्राओं ने 30 शिक्षक/शिक्षिकाओं के साथ श्री बांके विहारी जी के दर्शन और शैक्षिक यात्रा के लिए मथुरा वृन्दावन का दौरा किया। 5 दिनों की यात्रा के दौरान संस्था के छात्र/छात्राओं ने श्री बांके बिहारी जी मंदिर, श्री राधा वल्लभ जी मंदिर, श्री राधा रमण जी मंदिर, प्रेम मंदिर, स्कॉन मंदिर, पागल बाबा मंदिर, यमुना जी, निधि वन, श्री रंगनाथ जी मंदिर, काँच मंदिर और श्री कृष्ण जन्मभूमि, मथुरा का दौरा करते हुये धार्मिक ज्ञान अर्जित किया गया। बताया जाता है कि इस यात्रा ने बच्चों को हमारी हिंदू संस्कृति, विरासत और भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के संबंध में जरूरी जानकारियों से अवगत कराया गया है। वही बच्चों ने भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी जी से उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना करते हुए प्रेम, सयंम, साहस, बुद्धि और विवेक का आशीर्वाद प्राप्त किया। यात्रा के दौरान प्राप्त की गई जानकारी को लेकर सभी छात्र/छात्राएं अपनी इस विजिट पर प्रजेक्ट रिपोर्ट सबमिट करेंगे । ज्ञात हो की कुछ ही सप्ताह पहले दक्ष स्कूल में अध्ययनरत कक्षा 5, 6 एवं 7 बच्चे एजुकेशनल ट्रिप पर प्रदेश की राजधानी भोपाल गए थें।

एफएलएन मेला उन्मुखीकरण का आयोजन हुआ संपन्न

सांईखेड़ा। विकास खंड चीचली के जन शिक्षा केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय में कल 11 जनवरी को आयोजित होने वाले एफएलएन मेले से संबंधित उन्मुखीकरण आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इसमें मास्टर ट्रेनर सुनील सोनी द्वारा मेले आयोजन का महत्व के आलवा विभिन्न स्टॉल, उन स्टालों पर किए जाने वाले कार्यों तथा उपस्थित कक्षा पहली एवं दूसरी पढ़ाने वाले शिक्षकों द्वारा मेले में आयोजित होने वाली गतिविधियों को अवगत कराया गया। वही मास्टर ट्रेनर सत्यम ताम्रकार द्वारा पावर पॉइंट प्रोजेक्टर पीपीटी माध्यम से मेले से संबंधित समस्त गतिविधियों को विस्तार पूर्वक बताया गया। जिनमें विभिन्न स्टालों के अंतर्गत पंजीयन, शारीरिक विकास, बौद्धिक विकास, भाषा विकास, गणित की पूर्व तैयारी, बच्चों का कोना इत्यादि के अंतर्गत होने वाली विभिन्न गतिविधियों यथा संतुलन, हाथ के कार्य, निशाना लगाना, चित्र वाचन, पढ़ना, गिनना, अंक पहचान, बढ़ते क्रम में, जोड़ घटाव, हाथों का समन्वय, सामाजिक व भावनात्मक विकास से संबंधित विभिन्न बिंदुओं को सामग्री के माध्यम से रूचिपूर्वक कराने संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान उनके द्वारा कक्षा पहली एवं दूसरी के विद्यार्थियों की शत प्रतिशत उपस्थिति, माताओं की सक्रिय सहभागिता, वॉलिंटियर का समावेश, रिपोर्ट कार्ड का वितरण संबंधित सुझाव दिए गए। वही जन शिक्षा केंद्र प्रभारी प्राचार्य भूपेश ठाकुर द्वारा मेले के महत्व, अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन की समीक्षा, अपार आईडी निर्माण संबंधित कार्य में तत्परता तथा वार्षिक मूल्यांकन के लिए विद्यार्थियों की विशेष निदानात्मक कक्षा संचालित करने के निर्देश दिए। यह प्रशिक्षण जिला परियोजना समन्वयक के निर्देशन तथा डी के पटैल विकास खंड स्त्रोत समन्वयक चीचली के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

विद्यालय में सर्वाधिक उपस्थिति वाले छात्र छात्राओं को किया ब्लेजर का वितरण

सांईखेड़ा। जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत ग्राम बनवारी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मे शिक्षकों ने एक नवाचार करते हुए छात्र छात्राओं को स्कूल आने के लिए प्रेरित करने के उद्धेश्य से उन्हें ब्लेजर बांटे। इस कार्यक्रम मे कक्षा 9 वीं मे 70 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति के 50 छात्र छात्राओं को ब्लेजर वितरित किये गए। कार्यक्रम मे विकास खंड शिक्षा अधिकारी प्रतुल इंदरख्या द्वारा बच्चों को बोर्ड परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण टिप्स देते हुये कहा कि ब्लेजर मिलने से छात्र छात्राओ मे स्कूल आने के प्रति प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। कार्यक्रम बी आर सी संदीप स्थापक द आगामी बोर्ड परीक्षा हेतु बच्चों को प्रोत्साहित किया गया एवं सफलता हेतु सुझाव दिए गए। अंत में प्राचार्य आनंद चौकसे द्वारा उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए बच्चों को लगातार उपस्थिति हेतु निर्देशित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक संतोष श्रीवास, सुनील कुमार द्विवेदी ,उमाकांत पचौरी ,लालजी प्रसाद कपाड़िया, सरला झारिया ,आशीष शर्मा ,हल्के वीर पटेल, प्रतीक गुप्ता, भारती सागर, पायल चौबे, दिलीप शुक्ला , केशव विश्वकर्मा, आनंद तिवारी, वंदना द्विवेदी ,आरती धानक, लकी द्विवेदी , रितु पटेल,लोकेंद्र वर्मा एवं समस्त स्टाफ की मौजूदगी रही।

प्रशासन की सड़कों से मवेशी हटाने की मुहिम पड़ी टंडी, फिर खतरा बनने लगे सड़कों पर घूमते आवारा पशु

गाडरवारा। नगर की सड़को पर घूमने वाले आवारा पशु निश्चित तौर से नगरवासियों के लिये सिर दर्द बनने से नही चूक पा रहे है। क्योंकि नगर के प्रमुख चौराहों से लेकर आम रास्तों पर बैठे रहने वाले यह आवारा पशु जहां सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण साबित हो रहे है तो दूसरी ओर नगर के सब्जी बाजार से लेकर दुकानदारों को परेशान करने से नही चूक रहे है। इस प्रकार से सड़को पर घूमने वाले आवारा पशुओं को लेकर बीते हुये कुछ समय पहले नगर पालिका प्रशासन द्वारा बाहर करने के लिये मुहिम छेड़ते हुये लाखों रूपया की लागत से कुछ वाहन भी खरीदे गये थें। वही कुछ कर्मचारियों को नियुक्त भी किया गया था। मगर नगर पालिका प्रशासन की यह मुहिम मात्र चार दिन की चांदनी फिर अधियारी रात ही साबित होते हुये जान पड़ रही है। जिसका परिणाम है कि दिन रात सड़को पर डेरा जमाये रहने वाले इन पशुओं के चलते लोगों का निकलना मुश्किल हो रहा है तो रात के समय स्थिति भयानक रूप लेने से इसलिये नही चूक पाती है कि जब अचानक लाईट चली जाती है उस दौरान जब वाहन चालक निकल रहा होता है तो सड़को पर बैठे हुये यह पशु नजर ही नही आते है और सड़क दुर्घटना का कारण बन जाते है। इस तरह आवारा पशुओं के कारण घटित हुई घटनाओं पर नजर डाली जावे तो जहां अनेक लोग घायल हो चुके है और अनेक लोगों की जाने भी जा चुकी है? मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ध्यान ही नही दिये जाने का परिणाम है कि सड़को पर घूमने वासले इन आवारा पशुओं की संख्या में दिनों दिन लगातार बढ़ोत्तरी का आलम बनते चला जा रहा है।

खबर संक्षेप

एसडीएम ने भूमि से कब्जा नहीं छोड़ने पर भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ,डिंडोरी। एसडीएम शहपुरा एश्वर्य वर्मा ने आवेदक की भूमि से कब्जा नहीं छोड़ने पर अनावेदक अमल सिंह पिता रामलाल के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए सिविल जेल भेज दिया। एसडीएम शहपुरा वर्मा ने बताया कि ग्राम राखी माल, पटवारी हल्का नंबर-69, राजस्व निरीक्षक - अमेरा में आवेदक भद्दे लाल पिता रामदीन जाति गोंड की भूमि खसरा नम्बर 520ध1 रकबा 0.60 हे. भूमि में से 0.20 हे. भूमि में अनावेदक अमल सिंह पिता रामलाल गोंड के द्वारा न्यायालय से बेदखिली आदेश के पश्चात भी भूमि में अवैध कब्जा नहीं छोड़ने पर म.प्र. भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 250 'क' के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अनावेदक को सिविल जेल भेजने की कार्यवाही की गई है। उन्होंने कहा कि अवैध अतिक्रमण एवं अवैध कब्जादारों के विरुद्ध इसी प्रकार से सख्ती से कार्यवाही की जायेगी।

सर्जरी एवं उपचार हेतु भेजा जाएगा मुंबई

हरिभूमि न्यूज ,डिंडोरी। एसडीएम शहपुरा एश्वर्य वर्मा के निर्देशन में बाल अधिकार संरक्षण कार्यक्रम अंतर्गत गठित राजस्व दल एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा आज गुरूवार को बालिका मानवी पिता मनमोहन झारिया उम्र 05 वर्ष निवासी ग्राम रमपुरी माल एवं बालक चंद्रशेखर पिता संजू मरावी उम्र 06 वर्ष निवासी मोहनी माल के हृदय में छिद्र होने पर सर्जरी एवं उपचार हेतु मुंबई भेजा जा रहा है। उक्त गठित टीम के द्वारा बच्चों के सर्जरी एवं उपचार करवाने के लिए माता-पिता को प्रेरित किया गया। जिससे दोनो बच्चों के माता पिता ने उपचार कराने की सहर्ष सहमति प्रदान की। इन दोनों बच्चों को कल 09 जनवरी 2025 को आयोजित स्वास्थ्य शिविर डिंडौरी में प्राथमिक उपचार के पश्चात हृदय छिद्र की सर्जरी हेतु मुंबई भेजा जाएगा। उक्त कार्य मे डॉ. डौली चैधरी, शैलेश गौर, नायब तहसीलदार आंनद डहरिया एवं पटवारी मीनु सिंह का विशेष सहयोग रहा।

फसल बीमा आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई गई

हरिभूमि न्यूज ,डिंडोरी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत रबी फसलों की बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़ाई गई है। अब बीमा 15 जनवरी 2025 तक होगा। भारत सरकार द्वारा अऋणी कृषकों हेतु फसल बीमा की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 जनवरी 2025 तक, ऋणी कृषकों हेतु बीमा अंतिम तिथि बढ़ाकर 15.01.2025 और पोर्टल में प्रविष्टि की अंतिम तिथि 30.01.2025 तक कर दी गई है। कृषकों से अपील की जा रही है कि अंतिम तिथि के पूर्व अपने पटवारी हल्का के अधिसूचित फसलों का बीमा करा सकते है। रबी मौसम में सभी अनाज दलहन, तिलहन फसलों हेतु बीमित राशि का अधिकतम 1.5 प्रतिशत मात्र प्रीमियम कृषक भाईयों द्वारा देय है। शेष प्रीमियम राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। योजना का प्रावधान अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलें उगाने वाले बटाईदारों और काश्तकारों सहित सभी किसान अपनी फसल बीमा का कवरेज प्राप्त करने हेतु पात्र है। योजना सभी कृषकों हेतु स्वैच्छिक की गई है। अल्पकालिक फसल ऋण प्राप्त करने वाले कृषकों का बीमा संबंधित बैंक द्वारा किया जाएगा। कृषक अधिक जानकारी के लिये एग्रीकल्चर इंशोरेन्स प्रतिनिधि, क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी या समीपस्थ बैंक शाखा से संपर्क कर कर सकते हैं।

चार लाख रूपए की सहायता राशि स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ,डिंडोरी। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डिंडौरी रामबाबू देवांगन ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रकरण पर कार्रवाई करते हुए 4 लाख रूपए की सहायता राशि प्रदान करने के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के मुताबिक मृतक रक्षा मरपाची निवासी ग्राम कुटेला रैयत की पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण मृतक के निकटतम वारिसान पिता कृष्ण कुमार मरपाची को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। मृतक रक्षा मरपाची की 12 जुलाई 2024 को कुंए की पानी में डूबने से मृत्यु हो थी।

बस्तर के शहीद पत्रकार मुकेश चंद्राकर को अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

पत्रकारों ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा एसडीएम को ज्ञापन

डिंडौरी न्यूज।

गुरुवार की शाम डिंडोरी जिला मुख्यालय में जिले भर के पत्रकारों ने छत्तीसगढ़ बस्तर में हुए साथी पत्रकार मुकेश चंद्राकर की निर्मम हत्या का विरोध जताया। कलेक्टरेट चौराहा स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती प्रतिमा स्थल के सामने दिवंगत पत्रकार साथी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जिले भर के पत्रकार साथी मौजूद रहे है।

महामहिम राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

जिले के समस्त पत्रकारों की मौजूदगी में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किए जाने के पश्चात देश के महामहिम राष्ट्रपति महोदया के नाम डिंडोरी एसडीएम रामबाबू देवांगन को ज्ञापन सौंपा गया, ज्ञापन में पत्रकारो ने मुकेश चंद्राकर के हत्यारे को फांसी की सजा देने की मांग की साथ ही पीड़ित परिवार को उचित न्याय और मुआवजा देने के साथ सरकारी नौकरी भी देने का अनुरोध किया है, ज्ञात हो कि बिगत दिनों छत्तीसगढ़ के बस्तर में 120करोड़ रुपए की सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार उजागर किए जाने से बौखलाए ठेकेदार द्वारा षड्यंत्रपूर्वक मुकेश चंद्राकर की निर्मम हत्या कर दी गई थी, जिसका पूरे देश भर में पत्रकार संगठनों ने विरोध जताया है ।

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग

देश के विभिन्न हिस्सों में मीडिया जगत में कार्य करने वाले पत्रकार साथियों के साथ अनेकों घटनाएं घट चुकी है जिसमें पत्रकारों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है लोकतंत्र में चौथा स्तंभ कहे जाने वाली मीडिया को स्वतंत्रता पूर्वक कार्य करने में लगातार कठिनाइयां आ रही है ।मध्य प्रदेश में विगत सरकारों के कार्यकाल में भी लगातार पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाए जाने की मांग पत्रकार संगठनों के द्वारा की जाती रही है ,किंतु सरकारों ने पत्रकारों की मांग को अनसुनी करते हुए उनकी जान के साथ लगातार खिलवाड़ किया है। छत्तीसगढ़ में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या ने सरकारों के दावों और वादों पर एक नया सवाल खड़ा कर दिया है । डिंडोरी जिला मुख्यालय में महामहिम राष्ट्रपति के नाम सौंपे गए ज्ञापन में पत्रकार सुरक्षा कानून तत्काल लागू करने की मांग पत्रकार संगठनों के द्वारा की गई है।

महाविद्यालय ने की कॉलेज चलो अभियान की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ,डिंडोरी।

मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार कॉलेज चलो अभियान 2025 - 26 के तहत शासकीय महाविद्यालय करंजिया के प्राचार्य प्रमोद कुमार वासपे के निर्देश पर इस अभियान की शुरुआत गत दिवस किया गया। इस मौके पर शासकीय हायर सेकेंडरी रैतवार से समिति के सदस्य डॉ श्रवण कुमार तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर की इस दौरान रैतवार विद्यालय के प्राचार्य व कॉलेज चलो अभियान समिति के सदस्य डॉ के के द्विवेदी ने परिसर में उपस्थित बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रेरित करते हुए विभिन्न विषयों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रवेश प्रक्रिया राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 व महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं छात्रवृत्ति योजनाएं पाठ्यक्रम आदि के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें कॉलेज में प्रवेश लेने हेतु प्रेरित किया गया, जबकि डॉ श्रवण कुमार तिवारी द्वारा 12 वी कक्षा के छात्र-छात्राओं को नई शिक्षा नीति 2020 की जानकारी दी जा रही है। इसके अंतर्गत छात्र और छात्राओं को मेजर, माइनर, ओपन इलेक्टिव, वोकेशनल विषय एवं फील्ड प्रोजेक्ट की जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी को एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट के बारे में भी बताया गया। इसके साथ ही मध्य प्रदेश शासन के द्वारा दी जा रही विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियों जैसे की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, मेधावी विद्यार्थी योजना, मुख्यमंत्री जन कल्याण योजना, गांव की बेटी योजना, सेंटर सेक्टर की स्कॉलरशिप आदि की जानकारी भी महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा प्रदान की गई, साथ हीं विभिन्न प्रकार की सुविधाओं खेलकूद गतिविधियों और पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाएं एवं एसटी, एससी की छात्राओं को प्रदान की जाने वाली स्टेशनरी आदि की जानकारी प्रदान की गई इस दौरान प्रो अनीस सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

अतिथि शिक्षक भर्ती में अमरपुर बीईओ की मनमानी, शासन को लगा रहे पलीता

हरिभूमि न्यूज ,डिंडोरी।

अमरपुर विकास खंड शिक्षा अधिकारी का जिम्मा संभाल रहें अमरपुर के प्रभारी वीरेंद्र कुमार चीचाम पर पद और अधिकारों का दुरूपयोग करने का गंभीर आरोप लग रहें हैं, अमरपुर विकास खंड अंतर्गत संचालित अनेको स्कूलों में नियम विरुद्ध अतिथि शिक्षकों की भर्ती कर शासन को क्षति पहुंचाया जा रहा हैं, लेकिन विकास खंड शिक्षा अधिकारी अतिथि शिक्षक भर्ती में व्याप्त मनमानियो पर बेखौफ होकर मुहर लगा रहें हैं।अतिथि शिक्षकों के भर्ती में बरती जा रही मनमानियो पर अंकुश लगाने स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय एवं लोक शिक्षण संचनालय द्वारा स्पष्ट सूबे के समस्त विभागीय अधिकारियों आदेश जारी कर दिशा निर्देश जारी किए गए हैं, जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप ही अतिथि शिक्षक भर्ती किए जाने हैं लेकिन पद के मद में मदमस्त अधिकारी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जारी दिशा निर्देशों को ठेंगा दिखा खुलेआम मनमानी करते हुए शासन को चूना लगाने में आमादा हैं।अमरपुर बीईओ द्वारा अतिथि शिक्षक भर्ती में शासन के दिशा निर्देशों की धज्जियां उड़ा रहे है जो विकास खंड शिक्षा अधिकारी के मनमानी का घोतक है जो जांच का विषय है,माध्यमिक शाला खुदुरपानी दर्जसंख्या 88 में 3 नियमित शिक्षक हैं और 1 अतिथि शिक्षक हैं प्राथमिक शाला डूंगरिया पकरी टोला में अतिथि शिक्षक अप्रशिक्षित है, माध्यमिक शाला भाखा में बच्चों की दर्जसंख्या 88 है जिसमें 3 नियमित शिक्षक है 2 गेस्ट है, नियमानुसार तीन रहना चाहिए था, प्राथमिक शाला भाखा टिकरा टोला में बच्चों की दर्जसंख्या 19 है तीन नियमित शिक्षक हैं, नवीन प्रार्थमिक शाला मोहनझिर रैयत में गेस्ट अप्रशिक्षित है, माध्यमिक शाला मोहनझिर में बच्चों की दर्जसंख्या 141 है जिसमें 3 नियमित शिक्षक है और 5 अतिथि शिक्षक है, और 3 शिक्षक विज्ञान विषय के हैं, प्राथमिक शाला गिठोरी में दर्जसंख्या 19 है 2 नियमित है 1 अतिथि शिक्षक है। जो कि शासन के नियम विरुद्ध अतिथि शिक्षक नियुक्त कर शासन को प्रतिमाह लाखों रुपया का नुकसान पहुंचाया जा रहा हैं, गौरतलब हैं की ज़ब गड़बड़ी के दलदल में बीईओ स्वयं धसे हुए हैं ,तो ब्लॉक के अन्य स्कूलों में साहब नियमों का कितना पालन करा रहें होंगे आंकलन किया जा सकता हैं।

इनका कहना है,,,

मुझे इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है संकुल प्राचार्य एवं बीआरसी से जांच कराता हूं।

वीरेन्द्र कुमार
चिचाम,विकास खंड शिक्षा अधिकारी अमरपुर

बाघ के दहाड़ से थर्रा रहा जिला

जिला मुख्यालय के नजदीक तक पहुंचा टाइगर, ग्रामीणों में दहशत

प्रशासन ने किया नागरिकों को सतर्क रहने की अपील

अनूपपुर। बुधवार की शाम से अनूपपुर तहसील, थाना एवं वन परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत सकरा में एक बाघ के विचरण करने की जानकारी पर आसपास विचरण करने की सूचना पर आसपास के ग्रामीणों में दहशत की स्थिति बनी हुई है। बाघ के विचरण की जानकारी मिलने पर वनविभाग के अधिकारी कर्मचारी बाघ के वितरण इलाके पर नजर बनाए रखते हुए ग्रामीणों को देर रात होने पर सतर्क रहने की अपील की है। इस दौरान प्रशासन के द्वारा संबंधित ग्राम पंचायत को मुनादी के माध्यम से ग्रामीणों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। बुधवार की देर शाम ग्राम पंचायत सकरा में शंकर मंदिर के पीछे एक वृद्ध जो अपने मवेशी चरा रहा था, तभी एक मांसाहारी जंगली जानवर को अचानक मवेशियों के समीप आता देखकर हो हल्ला किया जिससे जिसकी आवाज सुनने पर उनके परिवार के अन्य सदस्यों के आने से हो हल्ला करने पर जंगली जानवर नाला की ओर उतर गया। इसके बाद ग्राम पंचायत सकरा के साथ जमुडी के अन्य मोहल्ले में जंगली जानवर के विचरण से कुत्तों की भौंकने के कारण ग्रामीणों में दहशत की स्थिति बनी रही। रात होते ही खम्हरिया गांव के एक ग्रामीण जो मोटरसाइकिल से अपने परिवार के सदस्यों को घर ले जाते समय बकान नदी के समीप बड़े जंगली जानवर को शहडोल अमरकंटक मुख्य मार्ग के मध्य मार्ग के किनारे चलते एवं मोटरसाइकिल की लाइट पड़ने पर मुख्य मार्ग को पार कर विपरीत दिशा में जाते देखकर घबरा गया जो आगे अचानक दो वाहनों के आने पर उनके पीछे चलते हुए अपने घर पहुंच कर परिजनों एवं अन्य को

जानकारी दी। इस दौरान अनूपपुर एवं देवहरा की पुलिस सूचना मिलने पर देर रात तक गश्ती करती रही। इस दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी अनूपपुर स्वर्णगौरव सिंह के नेतृत्व में वनविभाग के अधिकारी कर्मचारी भी रात भर गश्त करते हुए आम नागरिकों को सतर्क तथा सचेत रहने के साथ किसी भी तरह की सूचना मिलने पर दिए जाने की अपील की गुरुवार की सुबह परसवार गांव में एक बालक ने मोटरसाइकिल से जाते समय बड़े जानवर को देखते हुए सूचना दिए जाने पर वनविभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। वन विभाग के साथ जिला प्रशासन के द्वारा आम नागरिकों को जो गांव से बाहर तथा जंगल के मध्य एवं किनारे अलग तरह से घर बनाकर मवेशियों के साथ रहते हैं जिनको अंधेरा होने के पूर्व बीच बस्ती एवं सुरक्षित स्थान पर स्वयं एवं मवेशियों को रखे जाने की अपील मुनादी एवं अन्य माध्यमों से की है।

हेड मास्टर धनीराम अहिरवार पर 14000 रिश्वत का आरोप

अतिथि शिक्षक नियुक्ति में भ्रष्टाचार कर शिक्षा के मंदिर को किया शर्मसार

जमुना/कोतमा। ग्राम पंचायत बेलियाबाड़ी के गवर्नमेंट हाई स्कूल के हेडमास्टर धनीराम अहिरवार पर अतिथि शिक्षक नियुक्ति के नाम पर 14000 घूंस लेने का गंभीर आरोप लगा है। एक वायरल वीडियो में धनीराम अहिरवार ने खुद स्वीकार किया है कि उन्होंने एक युवक से पैसे लिए थे और नियुक्ति का वादा किया था। नियुक्ति न होने पर वह लिये गये रिश्वत को वापस करने बात कहते नजर आ रहे हैं।

भ्रष्टाचार की शर्मनाक तस्वीर

हेडमास्टर का यह कृत्य शिक्षा के मंदिर को शर्मसार करता है। जिस व्यक्ति पर छात्रों को ईमानदारी और नैतिकता का पाठ पढ़ाने की जिम्मेदारी है, वही शिक्षा व्यवस्था को कलंकित कर रहा है। धनीराम अहिरवार ने न केवल अपने पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है, बल्कि उन गरीब और मेहनती युवाओं के सपनों को भी कुचला है, जो अपनी योग्यता के दम पर नौकरी पाने की उम्मीद करते हैं।

शिक्षा विभाग पर भी सवाल

यह घटना केवल एक हेडमास्टर की गलती नहीं है, बल्कि शिक्षा विभाग की पूरी कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है। विभागीय अधिकारियों की लापरवाही और मिलीभगत के बिना इस तरह का भ्रष्टाचार संभव नहीं है। यह साफ है कि विभाग की नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता की भारी कमी है। ऐसे घोटाले यह साबित करते हैं

कि शिक्षा विभाग भ्रष्टाचार का गढ़ बन चुका है, जहां योग्य उम्मीदवारों को पैसों के दम पर पीछे धकेल दिया जाता है।

ग्रामीणों का आक्रोश

इस मामले ने पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैला दिया है। ग्रामीणों ने धनीराम अहिरवार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि हेडमास्टर को तुरंत बर्खास्त किया जाए और उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाए। साथ ही जिन लोगों से पैसे लिए गए, उनका पैसा तत्काल वापस कराया जाए। ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि शिक्षा विभाग की नियुक्ति प्रक्रिया की गहन जांच हो और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

क्या होनी चाहिए कार्रवाई

इस घटना ने शिक्षा विभाग की साख पर गहरा धब्बा लगाया है। प्रशासन को न केवल धनीराम अहिरवार के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए, बल्कि विभागीय अधिकारियों की भूमिका की भी जांच करनी चाहिए। नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता और ईमानदारी सुनिश्चित करना अनिवार्य है, ताकि भविष्य में योग्य उम्मीदवारों के साथ ऐसा अन्याय न हो। यह मामला सिर्फ घूसखोरी का नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था पर गहरा आघात है। यदि इस पर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई, तो यह भ्रष्टाचार और अधिक गहराएगा। प्रशासन और सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले, ताकि शिक्षा का स्तर और समाज का विश्वास बचाया जा सके।

हिंदुस्तान पॉवर का सीएसआर विभाग चला रहा मासिक धर्म स्वच्छता अभियान

जैतहरी। हिंदुस्तान पावर का कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) विभाग अनूपपुर जिले के जैतहरी स्थित अपने थर्मल पावर प्लांट के स्थानीय क्षेत्रों में किशोरियों और महिलाओं के मध्य मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता बढ़ाने के लिए एक परिवर्तनकारी पहल चला रहा है। इस पहल के तहत कंपनी ने अब तक 22 स्कूलों की छात्राओं और स्थानीय महिलाओं को 50,000 से अधिक सेनेटरी नैपकिन वितरित किए हैं, साथ ही विभाग ने उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूक कराने के लिए व्यापक प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए हैं। बता दें कि यह पहल हिंदुस्तान पावर के सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का एक हिस्सा है और पिछले 7-8 वर्षों से यह अभियान के रूप में निरंतर जारी है। इस पहल से अब तक लगभग 14,000 से अधिक स्थानीय महिलाओं एवं किशोरियों को लाभ प्राप्त हुआ है। इस कार्यक्रम के माध्यम से टीम ने दिसंबर 2024 के अंत तक, जैतहरी और अनूपपुर के आंतरिक ग्रामीण परिवेश की महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता मानकों में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु अपनी पहुंच बनाई है।

ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की सुस्त कार्यप्रणाली से विकास कार्य अधूरे

जिले में अनुबंधित 19 कार्यों की प्रगति रिपोर्ट शून्य

अनूपपुर। मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के क्रियान्वयन के लिए मध्य प्रदेश ग्रामीण सडक विकास प्राधिकरण को जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन अनूपपुर जिला प्रदेश में एक अपवाद बनकर रह गया है। अक्टूबर 2024 में हुए अनुबंध के तहत एक भी सडकों का कार्य प्रारंभ नही हुआ है वही पूर्व में निर्मित सडकों का सीसी जारी नहीं किया गया साथ हीं ऐसे अनेक सडकें है जिन्हें समयावधि पर पूर्ण नही कराया जा सका है। जिसके कारण प्रदेश में अनूपपुर जिले का प्रगति रिपोर्ट शून्य आंका जा रहा है। ठेकेदारों द्वारा निष्पादित कार्यों का समन्वय करने और सलाहकारों द्वारा पर्यवेक्षण करने के लिए परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीआईयू) गठित की गई हैं। पीआईयू का नेतृत्व करने वाले महाप्रबंधक व योजना को गति देने वाले सहायक प्रबंधक की लचर व्यवस्था के कारण विकास कार्य की प्रगति रिपोर्ट शून्य है। ज्ञात हो कि पीएम जनमन के तहत निर्माण होने वाली सडकों का अनुबंध पैकेज के रूप में ठेकेदारो को लगभग 15 अक्टूबर 2024 को मिला था, निर्माण के पूर्व ठेकेदारो व जिम्मेदार अधिकारियों को मापदण्डों को तय कर समयसीमा में कार्य शुरू कर विकास को गति देना था, परंतु तीन महीनें में न तो कोई साइन बोर्ड है, न ही लाईब्रेजी है और न ही वन विभाग व राजस्व के मापदण्डों को पूर्ण किया गया है।

खबर संक्षेप

वैश्य महासम्मेलन सम्मेलन में शामिल होंगे मंत्री प्रहलाद पटेल

गोटेगांव। वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश का नरसिंहपुर जिला सम्मेलन 12 जनवरी को दोपहर 12:00 बजे से तेंदूखेड़ा में आयोजित हो रहा है इस अवसर पर पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, पूर्व राज्यसभा कैलाश सोनी कार्यक्रम में उपस्थित होंगे इस आयोजन में शामिल होने की स्वीकृति प्रदान की है। विगत दिवस पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल को भी आमंत्रण दिया गया एवं संगठन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिस पर उन्होंने आयोजन में पधारने की स्वीकृति प्रदान की इस अवसर पर जिला प्रभारी बी डी सोनी पत्रकार, जिला अध्यक्ष अजय जैन,जिला उपाध्यक्ष महेश मोदी, अग्रवाल टिंकू आदि की उपस्थित रहे।

नया बाजार में टेनिस बॉल प्रतियोगिता प्रारंभ

गोटेगांव। स्थानीय नगर के नया बाजार प्रांगण में जय बजरंग क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में स्वर्गीय मणिनागेंद्र सिंह पटेल की पुण्य स्मृति में टेनिस बॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ बीते दिन 8 जनवरी 2025 दिन बुधवार से प्रारंभ हुआ जिसका फाइनल मैच 19 जनवरी 2025 को दोपहर 12:00 बजे से फाइनल में पहुंचने वाली दो टीमों के बीच खेला जाएगा। प्रतियोगिता में एंट्री फीस 200 रुपए रखी गई है। जिसमें विजेता टीम को 21हजार रूपए एवं कप और उप विजेता को 11 हजार रुपए और कप प्रदान किया जाएगा टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच गुरुनानक क्रिकेट क्लब वर्सेस आदर्श क्रिकेट क्लब बजरंग वार्ड के बीच खेला गया जिसमें गुरुनानक क्रिकेट क्लब ने 12 ओवर में 110 रन बनाए जहां आदर्श क्रिकेट क्लब मात्र 45 रन पर ऑल आउट हो गई । मैच में मेन ऑफ द मैच दीपक विश्वकर्मा ने 3 विकेट के साथ 35 रन बनाए।प्रतियोगिता के आयोजन में शोभित राय,सौरभ चांदोरिया,शुभम छिरा,उमेश छिरा,सुशील परसवाल,यश कहार,सौरभ कहार कौशल,प्रिंस,अखिलेश प्रजापति का योगदान रहा।

मोटर साईकिलों को बेचने हेतु छत्तीसगढ ले जाने की फिराक में थे आरोपी

चोरी की 22 मोटर साइकिल बरामद

चोरी की स्कूटी लेकर घूमते पकड़े गए गिरोह के सदस्य

अंतर्राज्यीय चोर गिरोह का भंडाफोड़, 4 आरोपी गिरफ्तार

तलघरे में छिपाकर रखी थी मोटर साईकिल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं संपत्ति संबंधी अपराधियों के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही करने हेतु नरसिंहपुर पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जाकर समस्त थाना क्षेत्रों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वालें अपराधियों की धरपकड की जा रही है।

शहर में हो रही वाहन चोरी की घटनाओं की रोकथाम हेतु प्रतिदिन वाहन चेकिंग लगाई जाती है इसी दौरान थाना स्टेशनगंज पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग की जा रही थी तभी एक स्कूटी में सवार तीन व्यक्ति वाहन चेकिंग पर पुलिस द्वारा रोकना देखते ही भागने लगे जिन्हे रोककर उनसे अपनी मोटर स्कूटी संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया जिसके द्वारा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये जाने पर स्कूटी के संबंध में पूछताछ की गई जिसके उत्तर संतोषजनक न होने से सख्ती से सघन पूछताछ की गई जिन्होने अपना नाम (1) महेश जोगी पिता नरेन्द्र जोगी उम्र 39 साल निवासी ग्राम पथरिया जिला दमोह हाल नि.बिलासपुर छत्तीसगढ़ 02.छोटू उर्फ ब्रजेश पिता हल्के सिंह चैधरी उम्र 32 साल निवासी सिंधी कालोनी नरसिंहपुर (3) काशीराम पिता जयराम चैधरी उम्र 35 साल निवासी निमावर थाना सांईखेड़ा बताया साथ ही स्कूटी चोरी की होना बताया, महेश जोगी ने अपने अन्य साथी चोर रामसेवक पिता भगवानदास रजक उम्र 32 साल निवासी सिमरिया जिला उदयपुरा का नाम भी उजागर किया तद्उपरांत स्टेशनगंज पुलिस महेश जोगी के अन्य साथी की तलाश में जुट गई और रामसेवक पकड़ने में सफल हुई।

तलघरे में छिपाकर रखी थी मोटर साईकिल

गिरफ्त में लिए गए चारों आरोपियों से बारीकी से पूछताछ की गई जिन्होंने नरसिंहपुर जिले के सीमावर्ती जिलों के अलग-अलग स्थानों से कुल 22 मोटर सायकल चोरी करना कबूल किये जिसे ये सभी मोटर सायकल एक छिन्दवाडा वायपास रोड पर बने तलघरे में छुपाकर रखे थे जिनके कब्जे से 22 मोटर साईकिल जप्त की गयी।साथ ही आरोपियों द्वारा बताया गया कि इनके गिरोह का मुखिया महेश जोगी जो कि बिलासपुर छत्तीगढ़ में रहता है वह मोटर सायकल छत्तीसगढ़ में ले जाकर बेचने की फिराक में था एवं उसी के बंदोबस्त के लिये महेश जोगी ट्रक की तलाश में था। जिसमें सारी मोटर सायकल मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ ले जा सके इससे पहले कि अंतर्राज्यीय वाहन चोर अपनी योजना में सफल होता उससे पहले ही थाना स्टेशनगंज की पुलिस ने उसकी योजना पर पानी फेर गिरफ्त में ले लिया गया। उक्त चारों आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 16द2024 धारा 303 (2) बीएनएस पंजीवद्ध किया गया है।

चोरी करने का तरीका

गिरफ्तार किए गए उक्त चारों आरोपी शातिर चोर है जो अपने पास पूर्व से ही 4 से 5 प्रकार की चाबियां बनावाकर रखे हुए थे एवं बाजारों के दिन वाहनों को बड़ी ही चालाकी के साथ वाहन में लगे तालों को खोलकर लोगो की नजरों से बचकर वाहन चोरी कर लेते थे। इसके अतिरिक्त सभी आरोपी मोहल्लों में घूम कर यह चैक करते थे कौनसा घर खाली है एवं उन घरों में वाहन खडे है कि नही जिन सूने घरों में वाहन खड़े मिलते थे उनका लॉक खोलकर मौका पाते ही चोरी कर लेते हैं। चोरी करते समय इनका एक सदस्य आस-पास आने-जाने वालों की निगरानी करता था।

इनकी रही विशेष भूमिका

वाहन चोर गिरोह की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी, स्टेशनगंज, निरीक्षक हिमलेन्द्र पटेल, उनि.विजय द्विवेदी, प्र.आर.आशीष मिश्रा, आरक्षक संजय पाण्डेय, आरक्षक नंदकिशोर कुशवाहा, आरक्षक अंकित विश्वकर्मा, आरक्षक योगेन्द्र अहिरवार, आरक्षक हिमांशु वर्मा, आरक्षक पूरन, सारबर सेल महिला आर. कुमुद, आरक्षक बलवीर ठाकुर, आरक्षक प्रशांत ठाकुर, सैनिक दुर्गेश, सैनिक अवधेश जाट की मुख्य भूमिका रही है।

ग्राम जौहरिया में मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत जिले की करेली जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत जौहरिया में आयोजित शिविर का कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आज शिविर में आये आवेदनों व उनके निराकरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती पटले और जिला पंचायत सीईओ श्री दलीप कुमार ने यहां आये लोगों से रूबरू संवाद किया और उनकी समस्यायें जानी। कलेक्टर ने कहा कि शिविर का उद्देश्य आम जन मानस को शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदाय करना है। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजनाओं के लाभ पानें से कोई वंचित नही रहें, इसका ध्यान रखा जाये। आयोजित शिविर में पेंशन, समग्र आईडी, खाद्यान्न पर्ची, पोषण आहार से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए जिसें समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करेली का निरीक्षण

जनकल्याण शिविर जौहरिया के पश्चात कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करेली पहुंचकर यहां टीबी परीक्षण लैब का भी औचक निरीक्षण किया। यहां मौजूद स्टाफ एवं चिकित्सकों से आज लिये गये सैम्पल की जानकारी ली। कलेक्टर ने एक्सरे और जांच बढ़ाने के साथ ऑनलाइन फीडिंग कार्य भी पूरा करने के निर्देश दिये। डॉ. विनय ठाकुर ने जिले में क्षय मुक्त भारत अभियान के तहत गाडरवारा में आयोजित शिविर में 84 और केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में 209 पोर्टेबल एक्सरे किये गये हैं। कलेक्टर ने कहा कि भारत टीबी मुक्त अभियान के अंतर्गत जिले में 100 दिवसीय निक्षय शिविर लगाये जा रहे हैं। इन शिविरों में पहुंचकर अपनी निरूशुल्क जांच करवा सकते हैं।

12 जनवरी को सामूहिक सूर्य नमस्कार का होगा आयोजन

कलेक्टर ने अधिकारी कर्मचारियों को सौंपे दायित्व

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राज्य शासन के स्कूल शिक्षा विभाग एवं लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस ष्युवा दिवसष के उपलक्ष्य में 12 जनवरी को जिला स्तर पर सामूहिक सूर्य नमस्कार का वृहद आयोजन शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में प्रातरू 9 बजे से प्रातरू 10.30 बजे तक आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम के सफल एवं सुचारू क्रियान्वयन के लिए जिला समिति का गठन कर अधिकारी- कर्मचारियों को दायित्व सौंपे हैं। कलेक्टर ने अतिथि स्वागत, समारोह की सम्पूर्ण व्यवस्था व मॉनीटरिंग, मंच व्यवस्था, मंच संचालन, योग प्रदर्शन, टेंट एवं साउंड व्यवस्था, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था, प्रचार- प्रसार, मैदान व्यवस्था, बालक वर्ग व बालिका वर्ग प्रभारी, स्वल्पाहार एवं पेयजल व्यवस्था व सहयोग व डाटा फीडिंग समिति और आभार प्रदर्शन के लिए अधिकारी- कर्मचारियों को दायित्व सौंपे हैं। उन्होंने निर्देशित किया है कि समस्त अधिकारीध लोकसेवकों को सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करते हुए कार्यक्रम की तैयारी के लिए 11 जनवरी को प्रातरू 11 बजे एवं 12 जनवरी को प्रातरू 8 बजे से अपनी उपस्थिति देना सुनिश्चित करें।

अर्ध वार्षिक परीक्षा परिणाम में कम परिणाम वाले विद्यालयों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दलीप कुमार की अध्यक्षता में डाइट सभागार में दो पालियो में स्कूल शिक्षा विभाग के विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने पहली पाली में सांईखेड़ा, चांवरपाठा व चीचली और दूसरी पाली में गोटेगांव, नरसिंहपुर व करेली विकासखंडों की बैठक ली। सीईओ जिला पंचायत ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि वे हाई एवं हायर सेकेंडरी की अर्द्धवार्षिक परीक्षा में 50 प्रतिशत से कम परिणाम लाने वाले विद्यालयों को शोकाज नोटिस जारी करें। उन्होंने अपार आईडी, जाति प्रमाण पत्र, शिक्षा पोर्टल 3.0, परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम और वर्ष 2025 में बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम शतप्रतिशत लाने के निर्देश दिये। उन्होंने हाई एवं हायर सेकेंडरी के समस्त प्राचार्यों को निर्देशित किया कि वे जिले के समस्त विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के अपार आईडी शतप्रतिशत जनरेट किये जावे। संबंधित लोक सेवा केन्द्र से विद्यार्थियों के जन्म एवं जाति प्रमाण पत्र बनावाने, डिजिटलाइजेशन, त्रुटि पूर्ण प्रमाण पत्र में सुधार करवाने और गूगल शीट में जानकारी प्रविष्टि करना सुनिश्चित करें। सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी समस्त अशासकीय विद्यालयों की मैपिंग पूर्ण कराने के लिए प्रपत्र में जानकारी तैयार कर पोर्टल में अपडेट करने के कार्य को शतप्रतिशत पूर्ण करें। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यौहार, सहायक जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा दीपक अग्निहोत्री, जिला आईटी क्वाडिनेटर मुकेश साहू और जिले के विकासखंड शिक्षा अधिकारी ,प्राचार्य मौजूद थे।

विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

तेंदूखेड़ा। गुरुवार को ग्राम डोभी में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर न्यायिक मजिस्ट्रेट माननीय अरविंद मीणा ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट ने कहा कि महिलाओं बच्चों गरीबों व कमजोर वर्ग के व्यक्तियों के लिए निशुल्क विधिक सहायता व सलाह का अधिकार प्रदान किया गया है। भारत के संविधान में जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संबंध में विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया अपनाकर ही कार्रवाई का अधिकार है। इस अधिकार के तहत गरीब तबके के लोगों को गिरफ्तारी की दशा में अपनी पसंद के अधिवक्ता से सलाह प्राप्त करना गिरफ्तारी के 24 घंटे में मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि महिलाएं व 18 साल तक के बच्चे अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग जातीय हिसा बाढ भूकंप पीडित व्यक्ति मानव तस्करी से आहत शोषण या बेगार से पीडित औद्योगिक कामगार मानसिक रूप से अक्षम या दिव्यांग मुफ्त विधिक सहायता के हकदार हैं। ऐसे लोगों को सरकार अपने खर्च पर अधिवक्ता की सेवाएं उपलब्ध कराती है। इस अवसर पर संरपच प्रतिनिधि एवं सहित ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

हाड़ कांपने वाली टंड आम जनजीवन हुआ प्रभावित

तेंदूखेड़ा। मौसम के बदलाव के चलते वुधवार से ठंड कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है। इसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों में लोग ठंड से बचने के लिए आग का सहारा लेते नजर आ रहे हैं। सर्दी ज्यादा होने से लोग दिनभर गर्म कपड़ों में नजर आ रहे हैं। वहीं शाम होते ही लोग अपने काम जल्दी समाप्त कर घरों पर जा रहे हैं।

शाम को बाजार मे नजर आने वाली चहल पहल भी रात आठ बजे ही कम हो जाती है। लोग सर्दी के चलते जल्दी ही रजाईयों में दुबकने लगे हैं। क्षेत्र एवं आसपास के समूचे क्षेत्र में इस समय कड़ाके की सर्दी का खासा असर होने से सामान्य जनजीवन प्रभावित होकर लोगों की दिनचर्या बदल गई है। क्षेत्र में विगत तीन-चार दिनों से सर्दी के तेवर तीखे होने तथा शीतलहर का व्यापक कोहरे के असर होने से इस समय पड़ रही कड़ाके की सर्दी से बचाव के लिए लोग दिन भर ऊनी व गर्म लबादों में लदे रह कर दिन में धूप सेंक कर व अलाव जला कर सर्दी से बचाव के उपाय कर रहे है ।तथा पड़ रही तेज सर्दी के कारण लोगों की दिन चर्चाएं भी बदल गई है। शाम के समय बाजार जल्दी बन्द हो जाते है तथा लोग अपने घरों में दुबक कर सुबह देरी उठते है तथा बाजार देरी से खुलते है। सर्दी के कारण लोगों का खान पान भी बदल गया है। अचानक तेज ठंड बढने से लोगो के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। वहीं निराश्रित मवेशियों की भी बुरी स्थिति बनीं हुई है।

आशा उषा कार्यकर्ताओं का रूका वेतन भुगतान शुरू

गोटेगांव। स्थानीय नगर के स्वास्थ्य केंद्र की आशा उषा कार्यकर्ताओं ने पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल को वेतन संबंधित ज्ञापन सौपा था जिसमें पूर्व राज्यमंत्री जालमसिह पटेल ने कलेक्टर को सूचित किया कि इन कार्यकर्ताओं का जल्द से जल्द भुगतान कराया जाए जिसमें नरसिंहपुर सीएमएचओ ने एक तीन सदस्य टीम गठित कर गोटेगांव अस्पताल पहुंचाया गया जिसमें मुकेश रघुवंशी डीसीएम दीपेश नेमा बीसीएम आदेश कोरव जहां आशा उषा कार्यकर्ता का भुगतान रुका हुआ था किस कारण से रुका हुआ था सभी चीजों को देखा गया और किन किन मद का पैसा रुका है सभी बातों को दृष्टिगत रखते हुए भुगतान प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।जिसमें आशा उषा के खाते में राशि डलने लगी और बताया गया कि एक से दो दिन में पूर्णता राशि खाते में डालना शुरू हो जाएगी आशा उषा कार्यकर्ताओं का कहना है कि हमने पूर्व राज्य मंत्री जालमसिह पटेल ने हम लोगों की समस्या सुनी और उनके निर्देशों पर स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत अमल में लिया और पेमेंट डालने लगी सभी आशा उषा कार्यकर्ताओं ने धन्यवाद प्रेषित किया।

कजई गांव के पास से निकली नहर हुई क्षतिग्रस्त

गोटेगांव। कंजई गांव के आगे एक ढाबा के पास से निकली कुसीवाड़ा माइनर नहर जिसमें कभी मुय नहर का पानी किसानों के खेत तक नहीं पहुंचा। इस माइनर का निर्माण कार्य करने के लिए रानी अबंतीबाई सागर परियोजना गोटेगांव के द्वारा ठेका दिया गया। मगर इस नहर का निर्माण करके उस पर सीसी क्रांक्रीट के जरिए लायनिंग करने का जो कार्य किया जा रहा है। वह भी पूरी तरह से घटिया तरीके से करने के कारण अल्प समय में निर्मित कार्य बिना पानी का संचालन हुए ध्वस्त हो रही है। लाखों रुपए की लागत से निर्मित की जाने वाली कु सीवाड़ा माइनर की हालत भी अन्य स्थल पर निर्मित हो रही नहर की तरह खस्ताहाल हो रही है।

काली मिट्टी पर ही लायनिंग - कु सीवाड़ा माइनर पर निर्माण कार्य करते समय पीली मिट्टी का उपयोग नहीं किया जा रहा है। वहीं काली मिट्टी पर ही सीसी कार्य कर देने के कारण क्रांक्रीट का हिस्सा कुछ दिन बाद धसक रहा है और क्षतिग्रस्त हा रहा है।जिससे नहर निर्माण में लगाए जा रहे लाखों रुपए पानी में जा रहे है। विभाग के जिमेदार अधिकारी मौके पर निर्मित कार्य का अवलोकन नहीं करते है। जिसके कारण उक्त कार्य करने वाले लोग खुलेआम निर्माण कार्य में पलीता लगा रहे हैं सीसी क्रांक्रीट करने के पहले नहर के हिस्से को कापे्रशन करने का कार्य नहीं करते हैं और ना ही उसमें सही मात्रा में सीमेंट का उपयोग करते हैं जिसके कारण कुछ दिनों बाद निर्मित नहर की हालत खराब हो रही है। यदि इसी तरह से छोटी माइनर का निर्माण विभाग करवाएगी तो किसानों को कभी सिंचाई करने के लिए नहर के जरिए से पानी अर्जित नहीं होगा।